भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *280

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

सड़कों और फ्लाईओवरों को क्षति

*280. कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से मंत्रालय द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के ऐसे कुल कितने खंड हैं और उनका ब्यौरा क्या है जो संविदाकारों की लापरवाही के कारण ढह गए हैं, टिकाऊ नहीं रह पाए हैं या उनमें बड़ी संरचनात्मक क्षति हुई है;

(ख) वर्ष 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनाए गए ऐसे फ्लाईओवरों की राज्य-वार कुल संख्या और ब्यौरा क्या है जो टूट गए हैं या टिकाऊ नहीं रह पाए हैं;

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ सड़कों और/अथवा फ्लाईओवरों के टिकाऊ नहीं रह पाने की स्थिति में इनका निर्माण करने वाले ऐसे संविदाकारों अथवा फर्मों की कुल संख्या और ब्यौरा क्या है जिन्हें दंडित किया गया है और/अथवा काली सूची में डाला गया है;

(घ) वर्ष 2014 से अब तक देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों के दोषपूर्ण निर्माण के कारण निचले इलाकों/कृषि क्षेत्रों में बाढ़ के मामलों की राज्य-वार कुल संख्या और ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 2014 से अब तक देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाले भू-स्खलनों की राज्य-वार कुल संख्या और ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ङ) सदन के पटल पर एक विवरण रखा गया है।

“सड़कों और फ्लाईओवरों को क्षति” के संबंध में कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *280 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग) यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं कि राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) का निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के विनिर्देशों और कार्य संहिता (कोड) में निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों के अनुसार किया जाए। राजमार्ग निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण स्थल (साइट) पर कार्यों के दैनिक पर्यवेक्षण के लिए परामर्शदाताओं (प्राधिकरण के अभियंता/स्वतंत्र अभियंता- एई/आईई) की नियुक्ति की जाती है। निष्पादन एजेंसियों के अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि रियायतग्राही/संविदाकारों द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता निर्धारित अपेक्षाओं के अनुरूप हों। इसके अतिरिक्त, मामले दर मामले आधार पर आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों के स्वतंत्र गुणवत्ता ऑडिट के लिए तृतीय-पक्ष गुणवत्ता लेखा परीक्षकों को नियुक्त किया जाता है।

वर्ष 2014 से संविदाकारों की लापरवाही सहित विभिन्न कारकों के कारण पुलों और फ्लाईओवरों सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर धंसाव, बड़ी विफलताओं या बड़ी संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाओं और संविदाकारों/रियायतग्राहियों/एई/आईई आदि के विरुद्ध की गई कार्रवाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में संलग्न है। कमियों/क्षति की स्थिति में चूक करने वाली एजेंसियों के विरुद्ध संविदा/रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की गई है, जिसमें संविदा करार समाप्त करना, जुर्माना/क्षतिपूर्ति लगाना, प्रतिबंधित करना/ब्लैकलिस्ट करना, गैर-निष्पादक घोषित करना आदि शामिल हैं।

(घ) राष्ट्रीय राजमार्गों पर अपेक्षित यातायात, सड़क के महत्व और संरचना, जल स्रोतों, जलग्रहण क्षेत्र का जलविज्ञान और जल-भूवैज्ञानिक स्थितियों, सड़क की ज्यामितीय विशेषताओं, अत्यधिक ढलान और तिरछी ढलान (क्रास स्लोप), उत्खनन और लैंडफिल क्षेत्रों, मौजूदा जल निकासी प्रणालियों आदि को ध्यान में रखते हुए जल निकासी प्रणालियों को डिजाइन किया जाता है। तथापि, मौजूदा जल निकासी प्रणाली की सफाई न होने, अनधिकृत निर्माण की वजह से जल निकासी का निकास अवरुद्ध होने, कुछ मामलों में जल निकासी प्रणाली का रखरखाव ठीक से नहीं किए जाने और अप्रत्याशित वर्षा के कारण जल निकासी प्रणालियों और राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट निचले क्षेत्रों/कृषि क्षेत्रों में अत्यधिक जलभराव से जल निकासी प्रणालियों में स्थानीय समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

वर्ष 2014 से लेकर अब तक राष्ट्रीय राजमार्गों के निचले इलाकों/कृषि क्षेत्रों में निर्माण संबंधी खामियों के कारण आई बाढ़ की प्रमुख घटनाओं और उन पर सुधारात्मक कार्रवाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **अनुलग्नक-II** में संलग्न है।

(ङ) सामान्य तौर पर, हिमालयी क्षेत्र और पश्चिमी घाट खंडों में अत्यधिक वर्षा और भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्गों सहित बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर क्षति होती है। राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में बहाल करने के लिए संबंधित निष्पादन एजेंसियों द्वारा तत्काल आधार पर मलबे को हटाया जाता है और आवश्यक उपाय किए जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लिए विवरण के आधार पर दीर्घकालिक उपचारात्मक उपाय भी समय-समय पर किए जाते हैं।

सरकार ने पहाड़ी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आपदा प्रतिरोधी राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभिन्न पहलें की हैं, जैसे:

(i) उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्यों के लिए भूस्खलन से निपटने के विशेष उपायों हेतु टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

(ii) विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के अनुसार, "पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के उपचारात्मक उपाय " के कार्यान्वयन के लिए नवंबर 2024 में निर्णय लिया गया।

(iii) "पहाड़ी क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए अतिरिक्त संवर्धित और व्यवस्थित उपचारात्मक उपाय और इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)/इंजीनियरिंग, प्रापण और निर्माण (ईपीसी) दस्तावेज़ के प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) में संशोधन" पर नीतिगत पहल के माध्यम से नवंबर 2025 में निम्नलिखित के लिए निर्णय लिया गया:

(क) डीपीआर की गुणवत्ता में सुधार करना;

(ख) पहाड़ी ढलानों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय सुनिश्चित करना;

(ग) पहाड़ी इलाकों में निर्माण कार्य पद्धति में सुधार;

(घ) पहाड़ी/पर्वतीय इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए सड़क निर्माण कार्यों के पश्चात्, सर्वप्रथम ढलान कटाई और स्थिरीकरण कार्यों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना;

(ङ) भूस्खलन की संभावना के लिए निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली।

(iv) जुलाई 2026 में नीतिगत पहलों के माध्यम से "राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए चट्टान गिरने से बचाव के उपायों के लिए अनिवार्य प्रमाणीकरण और गुणवत्ता आश्वासन सहित विनिर्देश" पर निर्णय लिया गया, जिसमें संविदाकारों और क्षेत्रीय कार्यालयों के गुणवत्ता मानकों और दायित्वों के पालन को सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक जांच और संतुलन पर व्यापक रूप से विस्तार से बताया गया है।

(v) राष्ट्रीय राजमार्गों पर भू-आपदा के शमन उपायों के लिए तकनीकी सहयोग हेतु रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

(vi) सुरंगों की भूवैज्ञानिक जांच और भू-आपदा के अध्ययन के लिए डेटा साझा करने हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

(vii) एनएचआईडीसीएल ने राष्ट्रीय रॉक मैकेनिक्स संस्थान (एनआईआरएम) के साथ सहयोग के व्यापक क्षेत्र के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए:

(क) सुरंग परियोजनाओं, सड़क परियोजनाओं आदि के लिए भू-तकनीकी जांच पड़ताल।

(ख) डीपीआर/निर्माण चरण के दौरान सुरंग के डिजाइन और रेखाचित्रों की समीक्षा/प्रूफ जांच करना।

(ग) उपकरणों और निगरानी उपकरणों की पर्याप्तता की जांच, सुरंग सुरक्षा ऑडिट,

(घ) कार्य पैकेज के लिए शैल(रॉक) यांत्रिकी और शैल इंजीनियरिंग पर आधारित वैज्ञानिक जांच तैयार करना,

(ड.) अधिकारियों आदि को प्रशिक्षण देना।

(viii) शिलांग - सिलचर ग्रीनफील्ड हाई स्पीड कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की विशेषज्ञ समीक्षा के लिए एनआईआरएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

(ix) पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता का आकलन करने के लिए उपकरण और वास्तविक समय की निगरानी का उपयोग करते हुए दिशानिर्देशों के विकास हेतु आईआईटी रुड़की के माध्यम से एक अनुसंधान योजना शुरू की गई है।

अनुलग्नक-I

"सड़कों और फ्लाईओवरों को क्षति" के संबंध में कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *280 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्ष 2014 से संविदाकारों की लापरवाही सहित विभिन्न कारकों के कारण पुलों और फ्लाईओवरों सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर धंसाव, बड़ी विफलताओं या बड़ी संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाओं और संविदाकारों/रियायतग्राहियों/एई/आईई आदि के विरुद्ध की गई कार्रवाई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण:

राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों और फ्लाईओवरों सहित धंसने, बड़ी विफलताओं या बड़े संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाएं			
	वर्ष	**परियोजनाओं की सं.**	**जुर्माना लगाया गया**	**अन्य दंडात्मक कार्रवाई**
आंध्र प्रदेश	2021	1	आईई पर 40.00 लाख रुपये संविदाकार पर 3.0 करोड़ रुपये	
अरुणाचल प्रदेश	2024	1	संविदाकार पर अनुबंध मूल्य का 5%	
बिहार	2020	1		संविदाकार पर 3 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है।
	2022	2		संविदाकार और एई/आईई के प्रमुख कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।
	2023	2	संविदाकार पर 25 करोड़ रुपये	संविदाकार और एई/आईई के प्रमुख कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।
	2024	1		संविदाकार के प्रमुख कर्मियों को निलंबित कर दिया गया
हिमाचल प्रदेश	2022	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
गुजरात	2020	1		संविदाकार पर 2 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है।
हरियाणा	2020	1	संविदाकार पर 3.00 करोड़ रुपये	आईई के टीम लीडर को प्रतिबंधित किया गया। मरम्मत का खर्च संविदाकार द्वारा वहन किया

राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों और फ्लाईओवरों सहित धंसने, बड़ी विफलताओं या बड़े संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाएं			
	वर्ष	**परियोजनाओं की सं.**	**जुर्माना लगाया गया**	**अन्य दंडात्मक कार्रवाई**
				जाएगा।
	2021	1	संविदाकार पर 6.67 करोड़ रुपये और सहायक कर्मचारी पर 20 लाख रुपये	संविदाकार और सहायक कर्मचारी को 3 महीने के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।
	2024	2	संविदाकारों पर कुल 90 लाख रुपये	संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
जम्मू और कश्मीर	2022	1	ईपीसी संविदाकार पर परियोजना लागत का 1%	संविदाकार को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है
गुजरात	2025	1	संविदाकार पर 2.80 करोड़ रुपये	
	2024	1		संविदाकार को 1 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया है।
कर्नाटक	2025	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
	2020	1	संविदाकार पर 1.00 करोड़ रुपये, सहायक कर्मचारी पर 20 लाख रुपये।	संविदाकार के परियोजना प्रबंधक, टीम लीडर और पुल अभियंता को परियोजना से बर्खास्त कर दिया गया है।
	2024	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
केरल	2025	7	संविदाकारों पर कुल 31.245 करोड़ रुपये और औद्योगिक निवेश पर 5 लाख रुपये	संविदाकार और सहयोगी/सहयोगी संगठन के प्रमुख कर्मियों को एक परियोजना में निलंबित किया गया। संविदाकार और सहयोगी/सहयोगी को 2 परियोजनाओं में प्रतिबंधित किया गया
मध्य प्रदेश	2025	2	संविदाकार पर 119 करोड़ रुपये	
महाराष्ट्र	2020	1	एक परियोजना में संविदाकार पर 41.32	

राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों और फ्लाईओवरों सहित धंसने, बड़ी विफलताओं या बड़े संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाएं			
	वर्ष	**परियोजनाओं की सं.**	**जुर्माना लगाया गया**	**अन्य दंडात्मक कार्रवाई**
			करोड़ रुपये खर्च किए गए।	
	2021	1		संविदाकार पर 9 महीने का प्रतिबंध
	2024	4	संविदाकारों पर कुल 3.94 करोड़ रुपये एई पर 20 लाख रुपये का जुर्माना	संविदाकार और सहयोगी कंपनी के प्रमुख कर्मियों को 2 परियोजनाओं में निलंबित किया गया।
	2026	2	संविदाकार पर 75 लाख रुपये और सहायक कर्मचारी पर 12.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।	
तेलंगाना	2022	1	संविदाकार पर 134.78 करोड़ रुपये	
	2021	1	संविदाकार पर 3.0 करोड़ रुपये	
तमिलनाडु	2023	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
	2025	1	संविदाकारों पर 7.21 करोड़ रुपये और आईई पर 5 लाख रुपये	
उत्तर प्रदेश	2026	5		एक परियोजना में संविदाकार का अनुबंध समाप्त करना; संविदाकार के प्रोजेक्ट मैनेजर और सहयोगी कार्यकारी टीम के लीडर (1 प्रोजेक्ट के लिए); संविदाकार के आईई के टीएल और आरई तथा परियोजना प्रबंधक (रखरखाव) को एक परियोजना के लिए 2 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।
उत्तराखंड	2023	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।
पश्चिम बंगाल	2024	2	संविदाकारों पर 4.19 करोड़ रुपये और सहायक/अतिरिक्त कर्मचारी पर 5 लाख	

राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों और फ्लाईओवरों सहित धंसने, बड़ी विफलताओं या बड़े संरचनात्मक क्षति से संबंधित परियोजनाएं			
	वर्ष	**परियोजनाओं की सं.**	**जुर्माना लगाया गया**	**अन्य दंडात्मक कार्रवाई**
			रुपये।	
	2026	1		टोल सेवा निलंबित कर दी गई है, आईई और रियायतकर्ता के प्रमुख कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।
ओडिशा	2022	1		एई/आईई और संविदाकार के कर्मियों को निलंबित रखें
	2023	1	संविदाकार पर 5.30 करोड़ रुपये और आईई पर 25 लाख रुपये।	डीपीआर परामर्शदाता पर 1 वर्ष का प्रतिबंध
असम	2024	1		संविदाकार को 4 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।
मेघालय	2025	1	संविदाकार पर 20 लाख रुपये	
दिल्ली	2023	1		संविदाकार द्वारा किए गए सुधार कार्य का खर्च स्वयं वहन किया गया।

अनुलग्नक-।।

"सड़कों और फ्लाईओवरों को क्षति" के संबंध में कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *280 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्ष 2014 से अब तक राष्ट्रीय राजमार्गों खंडों के निर्माण संबंधी खामियों के कारण निचले इलाकों/कृषि क्षेत्रों में आई बाढ़ की प्रमुख घटनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य	खंड / एनएच सं.	वर्ष	घटना/निष्कर्ष	मरम्मत / की गई कार्रवाई
1	तेलंगाना	कंडी-रामसनपल्ले / एनएच-161	2025	चैनेज 0+295, ट्रम्पेट इंटरचैंज पर 150 मीटर से अधिक क्षेत्र में जल ठहराव।	उस स्थान पर बॉक्स कलवर्ट का निर्माण किया गया है।
2	महाराष्ट्र	कागल-सतारा, पैकेज-I और II / एनएच-48	2019, 2021	बाढ़ के कारण कई स्थानों पर जलमग्नता।	चल रही छह-लेन वाली परियोजना में एफआरएल (जलमार्ग की ऊंचाई सीमा) बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है; पंचगंगा नदी पर एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण कार्य
4	महाराष्ट्र	पैजारवाड़ी-यवलुज-चोकक (कोल्हापुर बाईपास)/एनएच-166	2021, 2023, 2024, 2025	भारी बारिश के दौरान जलमग्न होना	कोल्हापुर बाईपास का निर्माण कार्य चल रहा है; उस स्थान पर एलिवेटेड कॉरिडोर का प्रस्ताव है, जिसकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) शुरू कर दी गई है।

अनुलग्नक-।।।

"सड़कों और फ्लाईओवरों को क्षति" के संबंध में कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस द्वारा दिनांक 06.08.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *280 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्ष 2014 से राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई भूस्खलन की प्रमुख घटनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) वार विवरण:

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
अरुणाचल प्रदेश	1	लालपुल-मनमाओ-चांगलांग - एनएच-215	2025, 2026	चैनेज 67+200, 19+200 और 7+800 पर भूस्खलन हुआ, जिससे प्रभावित क्षेत्र 100 मीटर तक फैला हुआ था।	मलबा हटा दिया गया और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई।
	2	खोंसा-तिस्सा-लोंगडिंग खंड (एलटीके रोड) - एनएच-215	2024	चैनल 21.440, 24.690 और 28.295 (लुथोंग प्वाइंट) पर भूस्खलन की आशंका वाले स्थान, जिनमें सड़क का धंसना भी शामिल है।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन कार्य शुरू कर दिया गया है।
	3	हुकनजुरी-खोंसा रोड (एचके रोड) - एनएच-315ए	2025	अचानक आई बाढ़ ने चैनेज 10.088 से 10.170 तक सड़क निर्माण को बहा दिया और चैनेज 12.900 से 12.990 तक भारी भूस्खलन हुआ।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	4	चांगलांग-खोंसा रोड (सीके रोड) - एनएच-215	2025, 2026	चैनेज 41.495-41.540 पर प्रमुख भूस्खलन-सह-धंसाव क्षेत्र और चैनेज 7.000 पर भूस्खलन।	स्थायी ढलान संरक्षण/शमन के लिए डीपीआर तैयार किया गया; अस्थायी बहाली और सफाई का कार्य किया गया।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	5	पासीघाट-पांगिन सड़क खंड - एनएच-13	2024, 2025, 2026	पासीघाट-पांगिन रोड के किनारे कई स्थानों पर भूस्खलन-संभावित स्थानों की सूचना मिली है; 6.100, 7.200, 20.200, 43.200 और 47.100 किमी पर भी भू-विभाजन हुआ है, जबकि 57.300 किमी पर भू-पथ में दरार पाई गई है।	ढलान संरक्षण/शमन कार्य पूरा हो गया है।
	6	पासीघाट-सिंगर खंड - एनएच-513	2023, 2025, 2026	3.900 किमी और 18.000 किमी के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों की सूचना मिली है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है, ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	7	सिंगर-सिझोन खंड - एनएच-513	2025, 2026	भूस्खलन के स्थान 22.500 किमी, 25.200 किमी, 25.780 किमी, 27.980 किमी, 33.780 किमी, 33.880 किमी, 34.500 किमी और 37.485 किमी पर दर्ज किए गए हैं।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है, ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	8	सिझोन-गोबुक खंड - एनएच-513	2023, 2025	44.005 किमी और 79.900 किमी के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों की सूचना मिली है; 51.000 किमी पर भू-आकृति में दरार पाई गई है।	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू कर दिए गए हैं।
	9	गोबुक-यिंगकियोंग खंड - एनएच-513	2023, 2025, 2026	भूस्खलन के स्थान 87.824 किमी, 88.470 किमी, 90.774 किमी, 96.000 किमी,	ढलान संरक्षण और भूस्खलन शमन के उपाय शुरू किए गए; मलबा साफ किया गया।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				101.814 किमी और 112.500 किमी पर दर्ज किए गए हैं।	
	10	एनएच-113 - एरोवा-खुपा-हयुलियांग	2024, 2025, 2026	चैनेज 77+500, 84+400, 82+600 और 87+650 पर भूस्खलन हुआ।	चैनेज 77+500 पर मरम्मत कार्य किया गया; सड़क यातायात के लिए खोल दी गई।
	11	एनएच-13 - डेम्वे-ब्रह्मकुंड (OTI)	2026	चैनेज 740+840 और 742+050 पर भूस्खलन हुआ।	भूस्खलन का रास्ता साफ कर दिया गया है। सड़क बह जाने के पश्चात् मरम्मत का कार्य जारी है।
	12	नृम्बंगलो-जटिंगा जंक्शन-हरंगाजाओ, एनएच-27	2026	चैनेज 24+300, 43+100 और 44+600 पर कई भूस्खलन के कारण ढलान ढह गए, मलबा जमा हो गया और यातायात बाधित हो गया।	मलबा हटा दिया गया; ढलान को समतल करने, खंभों और गैबियन की दीवार बनाने का कार्य शुरू किया गया।
	13	हाथीकाली-न्रिम्बांगलो, एनएच-27	2024	चैनेज 97+280 और 122+500 पर वर्षा के कारण कीचड़/मलबे का बहाव और पहाड़ी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; नालियों और फुटपाथ की मरम्मत कर दी गई।
	14	बलाचेरा-सिलचर, एनएच-27	2025	चैनेज 292+350-292+900 के बीच भारी भूस्खलन के मलबे से नालियों और फुटपाथ को क्षति पहुंचा है।	मलबा हटा दिया गया; नालियों और फुटपाथ की मरम्मत कर दी गई।
	15	ताराजुली-डोलोइहाट तिनियाली-लखीमपुर-चरैमोरिया-बालिजान-गोगामुख, एनएच-15	2025, 2026	किमी 308.800-310.000 पर भूस्खलन, कीचड़ और मिट्टी के बहाव के कारण आंशिक रूप से यातायात बाधित हो गया है।	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया है।
	16	किमी 315.315-344.000, एनएच-715 (पुराना एनएच-37)	2025, 2026	किमी 336.620-338.450 पर भूस्खलन, कीचड़ और मिट्टी के	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				बहाव के कारण आंशिक रूप से यातायात बाधित हो गया है।	
	17	एनएच-27 - बालाचेरा से हरंगाजाओ तक	2025, 2026	भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे 2025 में लेफ्ट-हाई स्कूल और 2026 में राइट-हाई स्कूल प्रभावित हुए।	कीचड़, मिट्टी और मलबे को हटाने का कार्य शुरू हो गया है।
गोवा	18	पत्रादेवी-करासवाड़ा, एनएच-66	2024	मालपे के पास किमी 486+825-487+095 पर भूस्खलन हुआ, जिससे सड़क ढक गई और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।	सीढ़ीदार बेंचिंग, हाइड्रोसीडिंग, जियोसिंथेटिक मैट और यू-पिन एंकर के साथ वायर मेश; जल निकासी की व्यवस्था की गई है।
	19	जुआरी ब्रिज दृष्टिकोण, एनएच-66	2024	ज़ुआरी पुल के पास किमी 532+300-532+600 पर भूस्खलन हुआ, जिससे सर्विस रोड मलबे से ढक गई।	गैबियन दीवार, जियोग्रिड, संरचनात्मक बैकफिल, बर्म ड्रेन और छिद्रित जल निकासी की व्यवस्था की गई है।
	20	एनएच-748 के किमी 84-143	2025	अनमोद घाट के पास 87 किमी पर भूस्खलन; आधी लेन उखड़कर घाटी में गिर गई।	माइक्रोपाइल्स और ग्राउटेड सॉइल नेलिंग का उपयोग करके बनाई गई रिटेनिंग वॉल।
हिमाचल प्रदेश	21	परवानू-सोलन, एनएच-22	2023	भारी बारिश के कारण राजमार्ग 29 स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
	22	शिमला-दासरां, एनएच-205	2025	भारी बारिश से 8 रिटेनिंग वॉल और 1 ब्रेस्ट वॉल क्षतिग्रस्त हो गईं।	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।
	23	किरतपुर-नेरचौक, एनएच-21 (पैकेज I और II)	2025	प्राकृतिक आपदा - किरतपुर-नेरचौक मार्ग पर भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	24	नेरचौक-पांडोह जिसमें पांडोह बाईपास, एनएच-	2023, 2025	प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		21 शामिल है			दिया गया है।
	25	पांडोह बाईपास-टाकोली, एनएच-21	2025	प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	26	टाकोली-कुल्लू, एनएच-21	2023, 2025	प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	27	कुल्लू-मनाली, एनएच-21 (नया एनएच-3)	2023, 2024, 2025	संबंधित वर्षों के दौरान प्राकृतिक आपदा - भूस्खलन/अचानक बाढ़/बादल फटना।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	28	भंगबार-कांगड़ा बाईपास	2025	भारी बारिश के कारण चट्टानें खिसक गईं और ढलान को स्थिर करने के लिए किए जा रहे कार्यों को क्षति पहुंचा।	मलबा हटा दिया गया और यातायात बहाल कर दिया गया; ढलान को स्थिर करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	29	पंजाब/हिमाचल प्रदेश सीमा - मो, एनएच-20 (नया एनएच-154)	2021, 2025	2021: भारी बारिश के कारण नियाज़पुर में एक बड़ा पत्थर सड़क पर खिसक गया। 2025: भारी बारिश के कारण चैनेज 23+500 लेफ्ट और 32+050 राइट पर सड़क के किनारे बह गए।	मलबा हटा दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	30	थानपुरी-परोर, एनएच-20 (नया एनएच-154)	2023	मानसून के दौरान पुराने चैनेज 85+300 पर भूस्खलन हुआ।	गैबियन दीवार बनाकर जीर्णोद्धार कार्य पूरा किया गया।
	31	एनएच-05 के किमी 284.00 से 286.00 तक	2023	बादल फटने के कारण सड़क बह गई।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
जम्मू और कश्मीर	32	उधमपुर-रामबन, एनएच-44	2025, 2026	2025: बादल फटने/भारी वर्षा के कारण बाली नाला और थाराड में भूस्खलन हुआ, और करोल और कोवबाग में	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				कीचड़/दलदल जमा हो गया। 2026: समरोली के पास देवाल में, किमी 79 पर, बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे दोनों सड़कें अवरुद्ध हो गईं और तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया।	
	33	रामबन-बनिहाल, एनएच-44	2025, 2026	2025: बादल फटने से सेरी में भारी मात्रा में कीचड़/मलबा जमा हो गया, टनल टी-2 में गंदगी भर गई और केला मोर में भूस्खलन हुआ। 2026: भूस्खलन से दोनों सड़कें अवरुद्ध हो गईं।	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	34	मारोग-डिगडोल, रामबन-बनिहाल, एनएच-44	2025	बादल फटने के कारण मारोग में भूस्खलन हुआ।	जीर्णोद्धार/सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	35	एनएच-244 - चेनानी-सुधमहादेव रोड	2025	वर्षा, अचानक आई बाढ़ और बादल फटने के कारण किमी 1+650 और किमी 14+200 के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है और यातायात बहाल कर दिया गया है।
	36	एनएच-1 - सोनमर्ग सुरंग परियोजना	2023	एक भूस्खलन की घटना की सूचना मिली है।	ऑडिट किया गया और ढलान संरक्षण उपाय स्थापित किए गए।
कर्नाटक	37	हसन-मरनाहल्ली, एनएच-48	2024	मानसून के दौरान किमी 227+900 पर भूस्खलन हुआ, साथ ही अन्य स्थानों पर मामूली ढलान गिरने की घटनाएं हुईं।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।
	38	गोवा-कर्नाटक सीमा-कुंदापुर, एनएच-66	2024	शिरूर में भारी भूस्खलन के कारण भूस्खलन,	गैबियन दीवार का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				किमी 147+900 एलएचएस।	
केरल	39	मौजूदा एनएच-85	2025	भारी वर्षा के कारण किमी 96+500 बाईं ओर भूस्खलन;	सुधार कार्य पूर्ण
महाराष्ट्र	40	वडापे-गोंडे	2023	घाटी के किनारे स्थित तटबंध में 120 मीटर का धंसाव।	पाइलिंग, रॉक एंकरिंग और गैबियन दीवार का निर्माण किया गया।
	41	मिरया-हथखम्बा और पाली-अम्बाघाट, एनएच-166	2021, 2025, 2026	2021: अंबा घाट पर चैनेज 60.000-72.000 के बीच भूस्खलन। 2025: चैनेज 61+650-61+700 पर मामूली भूस्खलन। 2026: चैनेज 63+700 और 64+100 पर मामूली भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; रिटेनिंग वॉल और ब्रेस्ट वॉल का निर्माण कार्य रोक दिया गया।
	42	रत्नागिरी-कोल्हापुर, एनएच-166	2026	भारी वर्षा के कारण 69.500-69.700 किमी के बीच स्थित संवेदनशील घाटी खंड में क्षति और दरारें उत्पन्न हो गईं।	क्षेत्र में बैरिकेड लगा दिए गए हैं; यातायात का मार्ग बदल दिया गया है; भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ने का प्रस्ताव है।
	43	वरुणपुरी-सदा जंक्शन और एमपीटी कनेक्टिविटी, एनएच-566	2024	भारी वर्षा और अस्थिर ढलान के कारण भूस्खलन।	100 मीटर लंबी गैबियन दीवार का निर्माण हो गया है और ढलान संरक्षण कार्य पूरा हो गया है।
	44	ऑट्रम घाट, एनएच-52	2021	भारी बारिश के कारण ऊपरी पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ।	क्रॉस ड्रेनेज और रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया गया।
	45	अहमदनगर बाईपास-खारवंडी कसार, एनएच-61	2025	घाट खंड में भूस्खलन के कारण एक लेन अवरुद्ध हो गई।	दीवार निर्माण कार्य शुरू हो गया है।
	46	लोनंद-शिरवल-ओर-मंडनगढ़-पचरल, हिरदोशी-वरंधा घाट, एनएच-965डीडी	2021, 2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण वरंधा घाट में विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन; मलबा जमाव।	मलबा हटा दिया गया; ढलान को कम करने/प्रतिरोधक संरचनाओं का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	47	इंदापुर-वडपाले, एनएच-66	2016, 2017, 2018, 2019, 2021, 2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण काशेदी घाट में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; तत्काल यातायात प्रबंधन और ढलान संरक्षण उपाय किए गए।
	48	काशेदी घाट, एनएच-66	2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	भारी वर्षा के कारण पुरानी और नई दोनों ही दिशाओं में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; तत्काल यातायात प्रबंधन और ढलान संरक्षण उपाय किए गए।
	49	कशेड़ी-परशुराम घाट, एनएच-66	2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026	भारी वर्षा के कारण परशुराम घाट में बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	मलबा हटा दिया गया; एचटी तार जाल और रॉक नेलिंग का कार्य शुरू हो गया है। रिटेनिंग/ढलान संरक्षण कार्यों का प्रस्ताव है।
	50	राजेवाड़ी-मंडनगढ़, एनएच-965डीडी	2021, 2026	भूस्खलन और सड़क किनारे की रेलिंग को क्षति।	मलबा हटा दिया गया; रेलिंग को अस्थायी रूप से बहाल कर दिया गया; रिटेनिंग वॉल और क्लैडिंग का प्रस्ताव है।
	51	वरन्ध-वरन्धा घाट, एनएच-965डीडी	2023, 2024,	भारी वर्षा के कारण बार-बार भूस्खलन होना;	मलबा हटा दिया गया; संरचनाओं को बनाए रखने

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
			2025, 2026	मलबा जमा होना।	और ढलान की सुरक्षा का प्रस्ताव रखा गया है।
	52	कल्याण-मुरपश्चात्-मालशेज घाट, एनएच-61	2014, 2015, 2016, 2017, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	मालशेज घाट में विभिन्न स्थानों पर बार-बार भूस्खलन हो रहा है।	भूस्खलन का मलबा हटा दिया गया
	53	मोखाडा-जवाहर-विक्रमगढ़-मनोर-पालघर, एनएच-160ए	2022, 2023, 2025	विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया।
	54	अरावली-कांटे, एनएच-66	2023, 2024, 2025, 2026	भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटना।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन से बचाव के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
	55	तालेरे-गगनबावड़ा घाट, एनएच-166जी	2024, 2025, 2026	भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटना।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन से बचाव के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
मेघालय	56	एनएच-51 - तुरा-दलू खंड	2025	भूस्खलन हुआ	संरक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है।
	57	एनएच-206 - शिलांग-डावकी खंड, पैकेज-II	2026	लगातार बारिश के कारण चैनेज 10.670 और 37.550 के बीच भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप नीचे की ओर अचानक बाढ़ जैसी	जोखिम आकलन, विस्तृत जांच और दीर्घकालिक उपचारात्मक उपायों के लिए आईआईटी गुवाहाटी को नियुक्त किया गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				स्थिति उत्पन्न हो गई।	
	58	जोवाई-मेघालय/असम सीमा, एनएच-44	2022, 2025	2022: भारी वर्षा के कारण जोवाई-राताचेरा मार्ग की स्थिति गंभीर रूप से खराब हो गई। 2025: मानसून के दौरान बार-बार होने वाले बड़े और छोटे भूस्खलनों ने सड़क मार्ग को प्रभावित किया।	भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
मिजोरम	59	एनएच-102बी - कीफांग-तुइवई (पैकेज I और II)	2026	चैनेज 03+230-03+270, 17+100-17+150, 24+450-24+500, 38+650-38+700 और 57+420-57+480 सहित कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	60	एनएच-302 - लुंगलेई-त्लाबुंग (पैकेज ए और बी)	2026	चैनेज 2+600-2+730, चैनेज 3+700 और चैनेज 70+600-70+700 पर भूस्खलन/ढलान विफलताएँ।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	61	एनएच-02 - आइजोल-तुइपांग (पैकेज 2, 5, 6 और 7)	2026	चैनेज 107+480, 227+600-227+710, 230+700-230+780, 262+920, 280+900, 328+540-328+590 और 328+960-329+080 सहित कई स्थानों पर भूस्खलन।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य शुरू हो गया है।
	62	एनएच-54/6	2025	भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है।	भूस्खलन का मलबा पूरी तरह से साफ कर दिया गया है।
	63	एनएच-44ए / एनएच-	2026	भूस्खलन के कारण	भूस्खलन का सारा इलाका

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		108		सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है।	पूरी तरह से साफ कर दिया गया है।
	64	किमी 0-38, एनएच-502ए	2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	65	किमी 38-71, एनएच-502ए	2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	66	किमी 71-99.83, एनएच-502ए	2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024	बार-बार होने वाले भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध हो जाती है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
	67	किमी 89-105, एनएच-06	2025	चैनल 95.720 और 97.300 पर भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई है।	भूस्खलन के पश्चात् रास्ता साफ कर दिया गया है।
मणिपुर	68	एनएच-129ए - माराम-पेरेन खंड (पैकेज 1ए, 1बी, 2ए, 2बी और 3)	2024, 2025	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक स्तरों के कारण चैनेज किमी 0.000 और	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				109.494 किमी के बीच कई भूस्खलन हुए।	
	69	एनएच-129ए - मरम-पेरेन खंड (पैकेज-2बी)	2026	लगातार बारिश और बार-बार होने वाले भूस्खलन के कारण चैनेज 67+080 से 67+400 (320 मीटर) तक भूस्खलन हुआ।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।
	70	एनएच-02 - माओ-सेनापति खंड	2024	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक परतों के कारण चैनेज किमी 212.325 और किमी 260.000 के बीच कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	71	एनएच-02 - इम्फाल-कोहिमा रोड, ताफुकुकी-डेली, डेली-कुराओपोकपी और कुराओपोकपी-सेकमई खंड (पैकेज 4ए, 4बी और 5ए)	2024	चैनेज 262+175 और 297+700 के बीच लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक स्तरों के कारण कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	72	एनएच-102ए - उखरुल-टोलोई-तदुबी खंड (पैकेज III और IV)	2024, 2025	लगातार बारिश और कमजोर भूवैज्ञानिक परतों के कारण चैनेज किमी 50.850 और किमी 105.825 के बीच कई भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सफाई का कार्य पूरा हो गया है।
	73	एनएच-137 - तामेंगलोंग-महुर (पैकेज 3 और 5)	2025, 2026	अभूतपूर्व वर्षा के कारण कई भूस्खलन हुए।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।
	74	एनएच-37 - इंफाल-जिरीबाम (पैकेज-4)	2024	अभूतपूर्व वर्षा के कारण कई भूस्खलन हुए; प्रभावित क्षेत्रों को सीओएस के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।	सफाई का कार्य पूरा हो गया है और मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
नागालैंड	75	एनएच-29 वाली दीमापुर-कोहिमा सड़क को 4 लेन बनाना	2024	संतृप्त पहाड़ी द्रव्यमान के रिसाव और विस्थापन के कारण किमी 164+000 से किमी 164+060 तक भूस्खलन हुआ।	क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है।
	76	एनएच-702 - दो लेन वाली चांगटोंग्या-लोंगलेंग सड़क	2024	पैकेज-I और II में भूस्खलन के साथ कीचड़ का भूस्खलन हुआ।	क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है।
	77	जोत्सोमा बाईपास जंक्शन-लेरी वेलकम गेट, एनएच-29	2026	बार-बार भूस्खलन होना।	भूस्खलन का रास्ता साफ कर दिया गया है।
	78	किमी 185-220, एनएच-02	2026	बड़े भूस्खलन के कारण सड़क में उभार/टेढ़ापन, मलबा जमाव और फुटपाथ का टूटना हुआ।	जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है।
ओडिशा	79	सिंगारा-बिंझाबहाल, एनएच-49	2025	चैनेज 382+000-384+750 के बीच कई स्थानों पर लगातार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया है और ढलान संरक्षण के उपाय किए गए हैं।
राजस्थान	80	ब्यावर-गोमती, पैकेज-III, एनएच-58	2022, 2023, 2024, 2025, 2026	उच्च चट्टानी कटाव वाले क्षेत्रों (25-35 मीटर ऊंचे) में बार-बार मानसून के कारण भूस्खलन होता है।	मलबा हटा दिया गया है।
	81	कुंडल-झाडोल, पैकेज-I, एनएच-58ई	2021	किमी 12+850-14+100 के बीच बार-बार भूस्खलन होता है।	प्रभावित खंड (12.800-14.220 किमी) का जीर्णोद्धार कार्य शुरू कर दिया गया है।
सिक्किम	82	एनएच-717ए - रेनॉक-रोराथांग-पाक्योंग	2022, 2023, 2024, 2025, 2026	प्रतिवर्ष कई भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की जाती हैं। 2022 से 2024 के दौरान 5 स्थान, 2025 के दौरान 7 स्थान और 2026 के	भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों की सफाई का कार्य शुरू हो गया है। भूस्खलन/धंसने वाले क्षेत्रों के लिए शमन उपायों हेतु डीपीआर (विस्तृत शोध

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				दौरान 9 स्थान भूस्खलन की घटनाएं हुईं।	रिपोर्ट) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
	83	एनएच-717ए - रानीपूल-पाक्योंग	2026	किमी 1+520 और किमी 15+010 पर 02 भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	84	एनएच-717बी- रोंगली बाजार से रोंगली बाईपास तक	2023, 2024, 2025, 2026	पैकेज-IIए और IIबी के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन की सूचना मिली है। 2023 में 01, 2024 में 01, 2025 में 01 और 2026 में 04 भूस्खलन हुए हैं।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	85	एनएच-717बी - बारापथिंग के लिए नई भूमिका	2023, 2024, 2025, 2026	2023 और 2024 में 01 भूस्खलन; 2025 और 2026 में 02-02 भूस्खलन।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	86	एनएच-510 - सिंगतम-तारकू	2024, 2025, 2026	किमी 3+800, 4+200, 7+810, 7+925 और 15+820 पर प्रतिवर्ष 05 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं।	भूस्खलन से हुए क्षति को दूर करने का कार्य शुरू हो गया है। भूस्खलन से हुए क्षति की भरपाई के लिए डीपीआर (विस्तृत शोध रिपोर्ट) का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।
	87	एनएच-510 - रावांगला से लेगशिप तक	2024, 2025	किमी 60+400 पर प्रति वर्ष 01 भूस्खलन की घटना दर्ज की गई है।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	88	एनएच-510 - लेगशिप से ग्यालशिंग तक	2024, 2025	प्रत्येक वर्ष किमी 55+400, 58+200 और 88+200 पर 03 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	89	एनएच-10 - एसटीएमसी रंगपो-रानीपूल	2023, 2024, 2025	2023 में 01 भूस्खलन, 2024 में 03 भूस्खलन और 2025 में 02	सफाई का कार्य पूरा हो चुका है; चिन्हित स्थानों पर शमन कार्य शुरू कर

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
				भूस्खलन/भूमि धंसने की घटनाएं।	दिए गए हैं।
	90	पुराना एनएच-510 - मौजूदा 510 का एकबारगी का रखरखाव	2026	किमी 5+540 और किमी 6+647 पर 02 भूस्खलन हुए।	भूस्खलन के पश्चात् सड़क साफ कर दी गई है और यातायात के लिए खोल दी गई है।
	91	मेल्ली-मानपुर-नामची रोड, एनएच-710	2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	मानसून के दौरान कई स्थानों पर बार-बार भूस्खलन होता है।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।
	92	तारकू-दमथांग-नामची रोड, एनएच-710	2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	मानसून के दौरान कई स्थानों पर बार-बार भूस्खलन होता है।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।
तमिलनाडु	93	डिंडीगुल-थेनी-कुमिली, एनएच-183	2018	तीन घाट स्थलों पर हुए भूस्खलन के कारण घाटी के ढलानों में गहरी दरारें पड़ गईं और यातायात बाधित हो गया।	गैबियन दीवार का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।
	94	बुरलियार, एनएच-181	2021	किमी 60/6 पर भूस्खलन के कारण 4 मीटर चौड़ाई में 30 मीटर सड़क धंस गई।	दीवार का निर्माण किया गया और क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत की गई।
त्रिपुरा	95	चुराइबारी-अगरतला खंड, किमी 397.00-422.00 (डिज़ाइन किमी 388.650-410.439), एनएच-08	2024	भू-आकृति का धंसना और भूस्खलन।	मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है और सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
उत्तराखंड	96	एनएच-07 - लामेरी-कर्णप्रयाग खंड (पैकेज-1)	2023	कामेडा में, बादल फटने के दौरान किमी 384+650 से 384+750 तक लगभग 100 मीटर सड़क बह गई। चितवापिपाल में, भारी मलबा प्रवाह से किमी 393+600 से 393+650 तक की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो गया है।
	97	एनएच-07 - कर्णप्रयाग-चमोली खंड (पैकेज-2)	2024, 2025	2024: नंदप्रयाग में बादल फटने/अत्यधिक वर्षा/भूस्खलन, जिसके परिणामस्वरूप 418+900 से 419+150 किमी क्षेत्र में मलबा जमा हो गया। 2025: उमाट्टा (बद्रीश) में भारी भूस्खलन।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण स्थायी जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू हो गया है।
	98	एनएच-07 - चमोली-पैनी खंड (पैकेज-3)	2023	बनेरपानी-1, पागलनाल्लाह और तंगानी-1 और 2 में भूस्खलन; बाढ़ और मलबा बहने के कारण गडोरा में सड़क बह गई।	बनेरपानी में पहाड़ी ढलानों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है; घाटी ढलानों का जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है। पागलनाल्लाह में अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो गया है। तंगानी और गडोरा का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण
	99	एनएच-07 - पातालगंगा भूस्खलन/ढलान संरक्षण एवं सुरंग कार्य	2024	पातालगंगा भूस्खलन स्थान पर सुरंग टूट गई।	जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण
	100	एनएच-58 - नंदप्रयाग, मैठाणा, बिरही और गुलाबकोटी भूस्खलन उपचार	2023, 2025	चिन्हित स्थानों पर बार-बार डूबने की सूचना मिली है।	अस्थायी जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण स्थायी जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) पर कार्य शुरू हो गया है।

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
	101	एनएच-07 - 5 भूस्खलनों और 5 धंसने वाले क्षेत्रों के लिए शमन उपाय (एसपीडब्ल्यू-II)	2025	बनेरपानी-2 में भारी भूस्खलन और सड़क का बह जाना।	जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	102	गंगोत्री-उत्तरकाशी, एनएच-34	2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026	नेटाला (किमी 87) के पास भूस्खलन हुआ, जिससे पहाड़ी ढलान का बड़ा हिस्सा ढह गया।	मलबा हटा दिया गया है और ढलान की स्थायी सुरक्षा का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	103	उत्तरकाशी-ऋषिकेश, एनएच-34	2015, 2016, 2017, 2018, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	बरेठी, नालूपानी, बंदरकोट, रातूरीसेरा, जसकोट, धुआंधार, बगड़धार, नरेंद्रनगर और जाजल में भूस्खलन के कारण ढलान टूट गई, मलबा बह गया और यातायात बाधित हुआ।	मलबा हटा दिया गया; सुरंग और ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	104	ऋषिकेश-माना, एनएच-7	2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026	सिरोबगड़, तोताघाटी, फरासू, तीनधारा, सिंगटोली, लांबागढ़, देवप्रयाग, साकनीधार और हाथीपहाड़ में भारी भूस्खलन/मलबा; हाथीपहाड़ में नदी-प्रेरित घाटी-किनारे ढलान की अस्थिरता।	मलबा हटा दिया गया; सुरंग और ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	105	तनकपुर-पिथौरागढ़, एनएच-9	2021, 2022	स्वाला (किमी 106) और घाट मोड़ के पास भारी भूस्खलन।	भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	106	ज्योलिकोट-कर्णप्रयाग,	2021,	क़वारब (55 किमी) के	मलबा हटा दिया गया;

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		एनएच-109	2022, 2023	पास पहाड़ी और घाटी के किनारों पर भारी भूस्खलन हुआ।	भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	107	हर्बर्टपुर-बरकोट, एनएच-507	2021, 2022, 2023, 2024, 2025	बोसन (किमी 25) के पास पहाड़ी और घाटी के किनारों पर भारी भूस्खलन हुआ।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	108	ट्युनी-मलेथा, एनएच-707ए	2023, 2024, 2025	जीवन आश्रम (किमी 138) और मसूरी मोड़ (किमी 136) के पास भारी भूस्खलन और धंसाव।	मलबा हटा दिया गया; भूस्खलन की रोकथाम और ढलान संरक्षण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	109	कोटद्वार-पौड़ी, एनएच-534	2022, 2023, 2024, 2025	5वें माइल के पास भारी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	110	धरासु मोड़-यमुनोत्री, एनएच-134	2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	डाबरकोट (किमी 79) और धरासु मोड़ (किमी 0) के पास भारी भूस्खलन और चट्टानें।	मलबा हटा दिया गया; ढलान संरक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
	111	रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड, एनएच-107	2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025	कुंड के पास सड़क बह जाने और मेदानपुर, कुंड बैराज, मुनकुतिया और गुप्तकाशी के पास भूस्खलन की घटनाएं।	सड़क और तटबंध की मरम्मत कर दी गई है; ढलान संरक्षण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
	112	पिथौरागढ़-लिपुलेख, एनएच-9	2023, 2024, 2025, 2026	इलागाड (किमी 102), टिंटोला (किमी 113) और जुम्मा (किमी 101) के पास भारी भूस्खलन।	मलबा हटा दिया गया; ढलान की सुरक्षा के लिए लगाए गए उपाय हटा दिए गए।
पश्चिम बंगाल	113	एनएच-717ए - पैकेज-	2025	भूस्खलन और सड़क के	जीर्णोद्धार का कार्य शुरू

राज्य	क्र.सं.	खंड /परियोजना	वर्ष	घटना का विवरण	सुधारात्मक कार्रवाई
		आईवीए		आकार कम होने से 0.210 किमी का क्षेत्र प्रभावित हुआ है।	कर दिया गया है।
	114	एनएच-10 - एसटीएमसी (कोरोनेशन ब्रिज-रंगपो) / आर्मी कैंटोनमेंट-कोरोनेशन और पीबीएमसी (कोरोनेशन-रंगपो)	2025, 2026	2025: 0.900 और 45.500 किमी के बीच कई स्थानों पर 11 भूस्खलन, जिससे 1.640 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ। 2026: 3.7 और 51.80 किमी के बीच कई स्थानों पर 18 भूस्खलन, जिससे 3.530 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ।	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।
	115	एनएच-110 - पीबीएमसी/एसटीएमसी, दार्जिलिंग मोरे-कुर्सियोंग-कुर्सियोंग-दार्जिलिंग	2025, 2026	2025: 46.00, 53.00 और 54.00 किमी पर 3 भूस्खलन, जिससे 0.100 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ। 2026: 24.850, 25.500, 38.000 और 39.900 किमी पर 4 भूस्खलन, जिससे 0.190 किमी क्षेत्र प्रभावित हुआ।	जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया।

*****